निगम के वार्षिक लेखों में पिछली अवधि में हुई भण्डारण हानियों का अलग से कोई उल्लेख नहीं किया गया था। 1985–86 और वर्तमान वर्ष के लेखों को अभी अन्तिम रूप नही दिया गया है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए खाद्यान्नों की मात्रा नीचे दी जाती है :—

(मात्रा लाख मीटरी टन में)

वर्ष	स्टाक रखने की मात्रा (औसत)	क्षतिग्रस्त हुई मात्रा	प्रतिशतता
1982–83	96.02	0.48	0.50
1983–84	118.85	1.01	0.85
1984–85	163.15	0.65	0.40

(ग) ढकी हुई भण्डारण क्षमता को बढ़ाने, कैप भण्डारण (कवर और प्लिथ) को कम करने, बेहतर परिरक्षण और वज्ञानिक भण्डारण करने तथा कड़े गुण नियंत्रण उपायों को अपनाने सहित खाद्यान्नों की हिफाजत करने के लिये कई एक पग उठाए जाते हैं।

ललितपुर स्थित भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में सड़ रहा गेहूं

2184. **श्री शरद यादव** : क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ललितपुर स्थित भारतीय खाद्य निगम के गोदाम में गेहूं की हजारों बोरियां सड़ रही हैं और इसके फलस्वरूप ललितपुर शहर तथा इसके समीपवर्ती बीस गांवों के लोगों को स्वास्थ्य का खतरा पैदा हो गया है और फलत: ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है जिसमें ललितपुर के जिलाधिकारी को "पब्लिक न्यूसेंस" के अन्तर्गत भारतीय खाद्य निगम को नोटिस देना पड़ा है; और

(ख) यदि हां, तो इस समस्या से निपटने के लिए निगम द्वारा क्या प्रबन्ध किये गये हैं ?

योजना और खाद्य तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजीत पांजा) : (क) जी, हां। ललितपुर हवाईपट्टी पर भण्डारित किया गया गेहूं का कुछ स्टा क वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था।

(ख) खाद्यान्नों को अलग करने तथा हवाईपट्टी साफ करने के लिए विभिन्न पग उठाये गए हैं। क्षतिग्रस्त खाद्यान्नों को अलग किया जा रहा है और उनका निपटान किया जा रहा है तथा अच्छे खाद्यान्नों की उचित ढंग से देख-रेख करने तथा उनका उपचार करने के लिए उनको ढके हुए गोदामों में अन्तरित किया जा रहा है।

2185. [Transferred t_0 the 13th August, 1986.]

Use of Mustard Oil in Vanaspati Production

2186. SHRI J. P. GOYAL: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUP PLIES be pleased to state:

(a) whether a decision has been taken to reduce th$_e$ percentage of mustard oil i$_n$ th$_e$ manufacture of vanaspati;

(b) if so, what are the derails in this regard;